जागृति

शिवानी: हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का सम्पोषण एवं समन्वय केंद्र

"अर्धवार्षिक सूचनापत्र " खंड 1 , अंक 2 (जुलाई - दिसंबर 2022)

JAGRITI

SHIVANI CENTRE FOR NURTURE AND REINTEGRATION OF HINDI AND OTHER INDIAN LANGUAGES

"Half-Yearly Newsletter" Volume 1, Issue 2 July - December 2022)

IIT KANPUR
Indian Institute of Technology Kanpur

Inauguration of Shivani Centre by Mr. Muktesh Pant during his visit to IIT Kanpur, 15 July 2022

श्री मुक्तेश पंत का आगमन

15 जुलाई 2022

15 जुलाई 2022 को स्वर्गीय गौरा पंत जी के पुत्र एवं शिवानी केंद्र के दाता, श्री मुक्तेश पंत, आई आई टी कानपुर में शिवानी केंद्र का दौरा करने के लिए पधारे। इस दौरान उन्होंने शिवानी केंद्र के अर्धवार्षिक सूचनापत्र, "जागृति" के उद्घाटन अंक का शुभारंभ किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने आई आई टी कानपुर के छात्रों, जो कि विशेष रूप से गैर - अंग्रेजी पृष्ठभूमि से आते हैं, कि भाषाई चिंताओं के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की तथा इनमें से कुछ समस्याओं के समाधान प्रदान किये।

Visit of Mr. Muktesh Pant

15 July 2022

On 15th July 2022, Mr. Muktesh Pant, son of late Smt. Gaura Pant and donor of Shivani Centre, visited Shivani Centre at IIT Kanpur and launched the inaugural issue of the Shivani Centre's half-yearly newsletter, "Jagriti". During the visit, he discussed various aspects of the linguistic concerns that IIT Kanpur students, particularly those from non-english background encounter. He also offered solutions to some of these issues.

विषयसूची

आगमन

श्री मुक्तेश पंत का आगमन -01
श्री नीलेश मिश्रा का आगमन -02
सुश्री मृणाल पांडे का आगमन -02

आयोजन

हिंदी पखवाड़ा (स्पंदन) -03
अलफ़ाज़ -04
अक्षर - 05-10
अखिल भारतीय कहानी लेखन प्रतियोगिता -11
आगामी कार्यक्रम -11
स्टाफ़ सदस्य एवं संपर्क सूत्र -12

Table of contents

Visits

Visit of Mr. Muktesh Pant -01
Visit of Mr. Neelesh Mishra -02
Visit of Ms. Mrinal Pande -02

Events

Hindi Pakhwada (Spandan) -03
Alfaaz -04
Akshar -05-10
Akhil Bhartiya Kahani Lekhan Pratiyogita -11
Upcoming Events -11
Staff Members and Contact Details -12

आगमन - Visits

Mr. Neelesh Mishra with Faculty and Staff Members
02 September 2022

Ms. Mrinal Pandey with Prof. Abhay Karandiker, 16 October 2022

श्री नीलेश मिश्रा का आगमन
02 सितंबर 2022

जाने-माने भारतीय पत्रकार, लेखक, रेडियो कथाकार, नाटककार और गीतकार श्री नीलेश मिश्रा 2 सितंबर, 2022 को दूसरी सलाहकार बोर्ड की बैठक में भाग लेने के लिए शिवानी केंद्र आये । इस दौरान, उन्होंने केंद्र के उन्नयन और देश के दूरस्थ क्षेत्रों से आए आई आई टी कानपुर के छात्रों के गौरव और आत्म-आश्वासन को बढ़ाने के लिए अपने विचार साझा किये। साथ ही उन्होंने किसी भी भाषा को समझने में आयी बाधाओं को दूर करने हेतु आई आई टी कानपुर के छात्रों कि मदद करने के लिए रणनीतियां भी प्रस्तावित कीं।

Visit of Mr. Neelesh Mishra
02 September 2022

Mr. Neelesh Mishra, a well-known Indian journalist, author, radio storyteller, playwright, and lyricist, arrived at Shivani Centre to take part in the second advisory board meeting on 2nd September 2022. During his visit, he shared his thoughts on the centre's upgrade and offered numerous suggestions for boosting the pride and self assurance of IIT Kanpur students that hail from remote areas of the country. He also proposed strategies to help them get through any language barriers they might face during their stay at IIT Kanpur.

सुश्री मृणाल पांडे का आगमन
16 अक्टूबर 2022

सुश्री मृणाल पांडे जो की एक भारतीय टेलीविजन हस्ती, पत्रकार, लेखिका और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित हैं, 16 अक्टूबर, 2022 को अपनी मां स्वर्गीय श्रीमती गौरा पंत (शिवानी जी) के शताब्दी वर्ष समारोह में भाग लेने के लिए आई आई टी कानपुर पधारीं। साथ ही, शिवानी जी के भतीजे, प्रोफेसर पुष्पेश पंत, जो एक भारतीय अकादमिक, खाद्य समीक्षक, इतिहासकार और पद्म श्री प्राप्तकर्ता हैं, सुश्री मृणाल पांडे के साथ कार्यक्रम अक्षर- एक आई आई टी कानपुर साहित्यिक उत्सव, में भाग लेने के लिए आई आई टी कानपुर आए। उन्होंने सत्र "दिद्दी पर बातचीत: शिवानी जी अपने बच्चों की नजरों से" में शिवानी जी के जीवन और अनमोल रचनाओं के विषय पर प्रकाश डाला।

साथ ही सुश्री मृणाल पांडे ने शिवानी जी के शांतिनिकेतन में बिताए गए समय की यादों को साझा किया, जहां उन्होंने टैगोर के प्रसिद्ध संस्थान में लगभग एक दशक तक अध्ययन किया। मृणाल जी ने टिप्पणी करते हुए कहा की टैगोर के संगति ने शिवानी जी की लेखन शैली पर गहरा प्रभाव डाला तथा वह देश की सबसे प्रसिद्ध उपन्यासकारों में से एक बन गईं।

इसके अतिरिक्त , मृणाल जी और पुष्पेश जी ने शिवानी जी के न केवल हिंदी और अंग्रेजी भाषा में अच्छी पकड़ होने, बल्कि अन्य भाषाओँ जैसे बंगाली, और गुजराती में भी उनके पढ़ने और लिखने में निपुण होने की चर्चा की। उन्होंने उनके लेखन पर ज़िक्र किया, जो की मुख्य रूप से महिलाओं के बारे में होते थे। उन्होंने ये भी बताया की शिवानी जी की कहानियों के चरित्र आमतौर पर उनकी तरह सुंदर दिखते थे, हालांकि अक्सर उनकी नियति दुखद होती थी।

Visit of Ms. Mrinal Pande
16 October 2022

Ms. Mrinal Pande, an Indian television personality, journalist, author, and Padma Shri awardee, visited IIT Kanpur on October 16, 2022, to attend the centenary celebrations of her mother, late Smt. Gaura Pant (Shivani ji). She graced the Event Akshar- an IIT Kanpur literary festival, along with her cousin and Shivani ji's nephew, Prof. Pushpesh Pant, who is an Indian academic, food critic, historian, and Padma Shri recipient. In the session "Diddi par baatcheet: Shivani ji apne bachhon ki nazron se," they spoke about Shivani ji's life and precious compositions.

They shared the memories of Shivani ji's time spent at Shantiniketan, Tagore's well-known institute, where she had studied at for almost a decade. Ms. Mrinal Pande remarked that Tagore forever altered Shivani's perspective on the world and her writing style, and she went on to become one of the nation's most well-known novelists.

They also talked about Shivani ji's fluency in reading and writing Bengali, Gujarati, English, and Hindi, her primary language of communication. They discussed her writings, which were mainly about women, and how her characters were usually good-looking like her, though often they had tragic destinies.

हिंदी पखवाड़ा (स्पंदन)
1-9 एवं 25-29 सितम्बर 2022

Inauguration Ceremony
01 September 2022

हिंदी दिवस (14 सितंबर 2022) के अवसर पर शिवानी केंद्र, हिंदी साहित्य सभा एवं हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा "हिंदी पखवाड़ा" कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें शीर्षक "स्पंदन" के अंतर्गत अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

इन प्रतियोगिताओं में स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। आयोजित प्रतियोगिताओं का प्राथमिक उद्देश्य हिंदी भाषा को समझना और उसकी प्रतिभा को पहचानना था जो की हमारे देश को सर्वोत्तम रूप से प्रदर्शित करती है।

ये सभी प्रतियोगिताएं दो चरणों में संचालित की गयीं। पहले चरण, में "कहानी लेखन प्रतियोगिता" और "काव्यंजलि" शामिल थे, जो कि 1 से 9 सितंबर तक सफलतापूर्वक संचालित किया गया। इसमें छात्रों के शानदार प्रदर्शन को दर्शकों ने खूब सराहा।

दूसरा चरण 25 से 29 सितम्बर तक आयोजित किया गया। इस चरण में "तर्क", "संसदीय वाद विवाद" और "गुपचुप" जैसे कार्यक्रम शामिल थे। इसकी शुरुआत "तर्क" प्रतियोगिता से हुई, जिसमें प्रतियोगियों को एक चित्र दिखाकर, उसकी विश्लेषण करने के लिए 30 सेकंड और फिर चित्र पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए दो मिनट दिए गए। उल्लेखित प्रतियोगिता का लक्ष्य प्रतिभागियों के बीच त्वरित सोच कौशल और वाक्पटुता का परीक्षण करना था।

इस अवसर पर, कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई, जिनमें से अंतिम प्रतियोगिता, "संसदीय वाद-विवाद" पर थी। इसमें छात्रों ने 'टीम' बनाकर एक दूसरे का मुकाबला किया और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर बहस की।

"काव्यांजलि", "कहानी लेखन प्रतियोगिता" और "तर्क" प्रतियोगिताओं के लिए बड़ी संख्या में प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिन्हें आई आई टी कानपुर के प्रोफेसरों द्वारा आंका गया।

आयोजन के अंतिम दिन प्रतियोगिता के विजेताओं को आई आई टी कानपुर के निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस प्रकार आयोजन -"हिंदी पखवाड़ा" एक बड़ी सफलता रहा जो कि सभी परिसरवासियों के लिए न केवल मनोरंजक बल्कि शैक्षिक भी था।

Hindi Pakhwada (Spandan)
1 -9 & 25 -29 September 2022

Kavyanjali and Kahani Lekhan Pratiyogita
14 September 2022

On the occasion of Hindi Diwas (14th September 2022), Shivani Centre, Hindi Sahitya Sabha, and Hindi cell organised the event – "Hindi Pakhwada", in which several competitions were held under the title "Spandan".

Both undergraduate and postgraduate students of IIT Kanpur participated in these competitions with great enthusiasm. The primary objective of the competitions held was to promote reading and writing of Hindi language within the institution and to recognise the brilliance of the language that best encapsulates our nation.

The competitions were held in two phases. The first phase, which included "Kahani lekhan pratiyogita" and "Kavyanjali", was successfully organized from 1st to 9th September. The performances of the participants were greatly appreciated by the audience.

The second phase competitions which were conducted from 25th to 29th September, included "Tark", "Sansadiya vaad vivad" and "Gupchup". It commenced with the competition "Tark" in which participants were shown a picture, given 30 seconds to analyse it, and then again given two minutes to express their thoughts on the picture. The goal of this competition was to encourage quick-thinking skills and eloquence among the participants.

On the occasion, a series of events were held, the last of which was "Sansadiya vaad-vivad" or Parliamentary Debate, in which students competed in teams and debated on important global issues.

A large number of entries were received for the competitions "Kavyanjali", "Kahani lekhan pratiyogita" and "Tark", which were judged by professors of IIT Kanpur.

On the last day of event, winners of the competitions received their prizes from Director, IIT Kanpur, Prof. Abhay Karandikar. This marked the conclusion of Hindi Pakhwada that was not only enjoyable but also educational.

आयोजन - EVENTS

अलफ़ाज़
10 सितम्बर 2022

शिवानी केंद्र, हिंदी साहित्य सभा और मीडिया सांस्कृतिक परिषद ने 10 सितंबर, 2023 को आई आई टी कानपुर में साहित्यिक उत्सव "अलफ़ाज़" की मेजबानी के लिए सहयोग किया।

आई आई टी रुड़की के पूर्व छात्र श्री गौरव सोलंकी, जो किताबों, कविताओं, फिल्मों के लिए पटकथा और गीत के बोल लिखने के लिए प्रसिद्ध हैं, ने पहले दिन "अलफ़ाज़" कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सोलंकी जी को "तांडव" जैसी अत्यधिक प्रशंसित फिल्मों के लेखक के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा, उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों जैसे "बदसूरत", "दास देव" और "वीरे दी वेडिंग" के लिए गीत लिखे हैं। उनका पहला कहानी संग्रह "ग्यारहवीं-ए के लड़के", 2018 में 'जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल' में प्रकाशित किया गया था।

इस कार्यक्रम के दौरान, श्री सोलंकी ने कथा लेखन के कई पहलुओं जैसे पटकथा लेखन और कहानी संरचना पर भिन्नता आदि के विषय पर चर्चा की। इसके अलावा, श्री सोलंकी ने दर्शकों द्वारा उनके लेखों पर पूछे गए कई सवालों के जवाब भी दिए। इस प्रकार, इस कार्यक्रम के माध्यम से परिसर के निवासियों को श्री सोलंकी के साथ बातचीत करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान हुआ।

"अलफ़ाज़" के दूसरे दिन कवि सम्मेलन - "काव्यांजलि" का आयोजन किया गया। इस आयोजन में, आई आई टी कानपुर के कई छात्रों ने अपने कविता कौशल को दर्शाया और अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस प्रकार, साहित्यिक उत्सव "अलफ़ाज़" ने "कैंपस" समुदाय को साहित्य के आकर्षण और समृद्धि का अनुभव करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया।

Mr. Gaurav Solanki with students of IIT Kanpur
10 September 2022

Alfaaz
10 September 2022

"Alfaaz" by Mr. Gaurav Solanki, 10 September 2022

Shivani Centre, Hindi Sahitya Sabha, and Media Cultural Council collaborated to host the literary festival "Alfaaz" on 10th September, 2022, at IIT Kanpur.

Mr. Gaurav Solanki, an IIT Roorkee alumnus who is renowned for penning books, poems, screenplays for movies, and song lyrics, graced the event "Alfaaz" on the first day as the chief guest. Solanki is credited as the writer of highly acclaimed web series like "Tandav". In addition, he has written songs for several Bollywood films like Ugly, Daas Dev and Veere Di Wedding. His first short-story collection, "Gyrahvin-A ke Ladke", was released at the Jaipur Literature Festival in 2018.

During the event, Mr. Solanki discussed several aspects of narrative writing, such as screenplay writing and variation on story structure. Besides, Mr. Solanki also answered several queries from the audience. Thus, the occasion presented campus residents with an excellent opportunity to engage in conversation with Mr. Solanki.

On the second day a kavi sammelan - "Kavyanjali" - was organised. At this event, several students of IIT Kanpur displayed their poetry skills and enthralled the audience with their performances.

Thus, the literary festival "Alfaaz" offered an opportunity for the campus community to experience the charm and richness of literature.

अक्षर
14 - 16 अक्टूबर 2022

"Diddi Par Baatcheet: Shivani Ji Apne Bachhon Ki Nazron Se" by Ms. Mrinal Pande and Dr. Pushpesh Pant

'अक्षर' – 'शिवानी: हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषाओं का संपोषण एवं समन्वय केन्द्र', 'राजभाषा प्रकोष्ठ' (हिंदी सेल), 'गाथा' - एक 'ऑडियो होस्टिंग प्लेटफॉर्म' , एस आई आई सी, आई आई टी कानपुर 'इन्क्यूबेशन कंपनी', एवं "हिंदी साहित्य सभा"- आई आई टी कानपुर के छात्रों का एक संगठन, द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया एक साहित्यिक महोत्सव है। यह तीन दिवसीय साहित्यिक उत्सव 14 अक्टूबर को शुरू तथा 16 अक्टूबर को समाप्त हुआ और एक जबरदस्त सफलता रहा। अनुभवी कलाकारों की बातचीत, प्रदर्शन और विचारोत्तेजक चर्चाओं का आई आई टी कानपुर समुदाय ने भरपूर आनंद लिया। इस आयोजन ने लेखकों को हिंदी साहित्य के बारे में अधिक जानने का अवसर प्रदान किया। साथ ही शिवानी जी की प्रसिद्ध साहित्यिक कृतियों का वर्णन करते हुए कई सत्र आयोजित किए गए। इस साहित्यिक उत्सव के द्वारा शिवानी जी के शताब्दी वर्ष समारोह की शुरुआत की गयी। सुश्री मृणाल पांडे और डॉ पुष्पेश पंत जो क्रमशः स्वर्गीय श्रीमती गौरा पंत (शिवानी जी) की बेटी और भतीजे हैं, ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम को विशेष रूप से सुशोभित किया। इस आयोजन के माध्यम से छात्रों को विभिन्न साहित्यिक गतिविधियों में शामिल करने के लिए 'सेमिनार', वाद-विवाद, कार्यशाला, कविता और कहानी लेखन प्रतियोगिताओं जैसे कई अन्य कार्यक्रमों की योजना बनाई गई ताकि वे हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं की समृद्धि की सराहना कर सकें। शिवानी सेंटर का उद्देश्य भाषा रचनात्मकता को बढ़ावा देना और हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में संचार करते समय गर्व और आत्मविश्वास पैदा करना है। इस कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया गया और प्रसिद्ध कलाकारों के साथ बातचीत करने का भी अवसर प्राप्त हुआ।

Akshar
14-16 October 2022

Maha Kavi Sammelan – "Kuch Alfazon Ki Perwaz"

'Akshar', an IIT Kanpur Literature Festival was jointly organized by 'Shivani Centre for the Nurture & Re-Integration of Hindi and Other Indian Languages', 'Rajbhasha Prakoshth' (Hindi Cell), 'Gaatha' – an Audio Hosting platform, an SIIC IIT Kanpur incubated company - and Hindi Sahitya Sabha, a student body at IIT Kanpur. The three-day festival kick-started on 14th October and ended on 16th October and was a tremendous success. The talks, performances and thought-provoking discussions by seasoned artists were greatly enjoyed by the IIT Kanpur community. It also provided an opportunity to aspiring writers to learn more about literature and improve. Multiple sessions were organised describing the celebrated literary works of Shivani ji. The organised literature festival also marked the beginning of Shivani ji's centenary year celebrations. This event was especially graced by the presence of Ms. Mrinal Pande and Dr. Pushpesh Pant who are daughter and nephew, respectively, of late Smt. Gaura Pant (Shivani ji). Several other events such as seminars, debates, workshops, poetry and story writing competitions are planned to engage students in various literary activities so that they can appreciate the richness of Hindi and other Indian languages. Shivani Centre aims to promote language creativity and inculcate pride and self-confidence while communicating in Hindi and other Indian languages. These events provided a platform to students to showcase their talent and also interact with renowned artists.

प्रथम दिवस
14 अक्टूबर 2022

इस उत्सव के प्रथम चरण में, कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि, सुश्री राखी बख्शी, एक प्रसिद्ध मीडिया पेशेवर, 'हर वर्ल्ड इंडिया' की संस्थापक एवं प्रधान संपादक और हिंदुस्तान की कार्यकारी संपादक सुश्री जयंती रंगनाथन द्वारा आई आई टी के 'आउटरीच ऑडिटोरियम' में किया गया था।

Ms. Rakhee Bakshee and Ms. Jayanti Ranganathan

उद्घाटन समारोह के पश्चात राजभाषा प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. अर्क वर्मा ने स्वागत भाषण दिया। इसके अलावा प्रो. ब्रज भूषण, 'डीन ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन', प्रो. शलभ, 'डीन ऑफ एकेडमिक अफेयर्स', प्रो.अमिताभ बंद्योपाध्याय, 'इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन' आई आई टी कानपुर के प्रभारी, ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई और बाद में कार्यक्रम को संबोधित किया।

अपने पहले पुनरावृत्ति में, यह 3 दिवसीय उत्सव प्रसिद्ध हिंदी उपन्यासकार स्व. श्रीमती गौरा पंत जिन्हें 'शिवानी' के नाम से जाना जाता है, के जीवन और कार्यों की महत्वता की जानकारी देते हुए किया गया। इस उत्सव के माध्यम से शिवानी जी के शताब्दी वर्ष जयंती समारोह की शुरुआत की गयी। उद्घाटन समारोह के बाद डी ए वी कॉलेज, कानपुर के डॉ. राकेश शुक्ला द्वारा शिवानी की सबसे प्रसिद्ध साहित्यिक कृतियों, जैसे – 'मायापुरी', 'कृष्णकली', 'भैरवी', 'शमशान चंपा' और 'विषकन्या' पर कार्यक्रम 'साहित्यवलोकन' में चर्चा की गयी। इन उपन्यासों के माध्यम से शिवानी ने भारतीय महिलाओं को अपनी आवाज़ उठाने के लिए प्रेरित किया। 1960 के दशक की शुरुआत में, उनके द्वारा लिखी गई कहानी 'लाल हवेली' ने उनकी प्रतिष्ठा स्थापित की, और अगले दशक में शिवानी जी ने कई महत्वपूर्ण रचनाएँ लिखीं जो प्रसिद्ध साहित्यिक पत्रिकाओं में प्रकाशित हुईं।

इसके अतिरिक्त सत्र 'साहित्य की सतरंगिनी शिवानी' में 'कथारंग - ए स्टोरीटेलिंग ग्रुप' द्वारा शिवानी जी की सबसे प्रसिद्ध कहानियों का पाठ किया गया। इस कार्यक्रम में सुश्री नूतन वशिष्ठ, सुश्री अनुपमा, सुश्री पूजा विमल, सुश्री पुनीता अवस्थी और श्री सत्य प्रकाश ने शिवानी की सबसे प्रसिद्ध कहानियों – 'चिरस्वयंवर' और 'लाल हवेली' पर कथा सुनाई। उपस्थित सभी लोगों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इस कार्यक्रम को सराहा।

स्वर्गीय श्रीमती गौरा पंत 'शिवानी' के साथ ही, यह वर्ष प्रसिद्ध भारतीय कलाकार सैयद हैदर रज़ा, जो की एक पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण प्राप्तकर्ता रहे हैं, की भी शताब्दी वर्ष जयंती की शुरुआत का प्रतीक है।

Day One
14 October 2022

On its opening day, the event was inaugurated by the chief guests, Ms. Rakhee Bakshee, a renowned media professional, Founder and Editor-in-chief of Her World India, and Ms. Jayanti Ranganathan, an Executive Editor of Hindustan at Outreach Auditorium, IIT Kanpur.

Inauguration Ceremony

Prof. Ark Verma, Coordinator of Rajbhasha Prakoshth, presented the welcome note. Besides this Prof. Braj Bhushan, Dean of Administration, Prof. Shalabh, Dean of Academic Affairs, Prof. Amitabha Bandyopadhyay, In-charge of Innovation and Incubation IIT Kanpur graced the occasion with presence and later addressed the gathering.

In its first iteration, this 3-day festival commemorated the beginning of the centennial year celebrations of the life and works of renowned Hindi novelist Smt. Gaura Pant, well known by her pen name 'Shivani'. The opening ceremony was followed by a discussion 'Sahityavalokan' by Dr. Rakesh Shukla from DAV College, Kanpur, on the most celebrated literary works of Shivani. He discussed some of Shivani's most popular books, such as 'Mayapuri', 'Krishnakali', 'Bhairavi', 'Shamshan Chumpa' and 'Vishkanya', in which she had emerged as a pioneer in giving voice to Indian women. In the early 1960s, her story 'Lal Haveli' established her reputation, and in the next decade she authored several significant pieces that were published in renowned literary magazines

In addition, there was a story recital 'Sahitya ki satrangini Shivani' of Shivani's most famous stories, 'Chirswayamvara' and 'Lal Haveli' by Ms. Nutan Vashisht, Ms. Anupama, Ms. Puja Vimal, Ms. Punita Awasthi and Mr. Satya Prakash of 'Katharang' - A Storytelling Group. Everyone in attendance gave the performance a rousing round of applause.

Along with late Smt. Gaura Pant, 'Shivani' this year also marks the centennial anniversary of the renowned Indian artist Sayed Haider Raza, a Padma Shri, Padma Bhushan, and Padma Vibhushan recipient.

अतः 'अक्षर' साहित्यिक उत्सव के उद्घाटन के दिन (14 अक्टूबर) रज़ा साहब की स्मृति में सत्र 'सैयद हैदर रज़ा साहब की चित्रकला का एक परिचय' आयोजित किया गया । इस सत्र में आई आई टी कानपुर के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग से डॉ. शतरूपा रॉय, कानपुर के डी ऐ वी कॉलेज के डॉ. हृदय गुप्ता और डॉ. राजर्षि सेनगुप्ता ने रज़ा के जीवन और कार्यों पर चर्चा की। साथ ही इस अवसर पर सैयद हैदर रजा साहब के चित्रकला की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

इसके उपरांत, डॉ. कमल मुसद्दी, श्री वीरू सोनकर, सुश्री हेमा दीक्षित, और श्री राजेश अरोड़ा जैसे वरिष्ठ कवियों ने कार्यक्रम 'काव्य संध्या' में अपनी कला की प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। उद्घाटन के दिन के अंत में, सभी कलाकारों को धन्यवाद प्रस्ताव 'गाथा' - एक ऑडियो होस्टिंग प्लेटफॉर्म के संस्थापक श्री अमित तिवारी द्वारा दिया गया।

साथ ही इस आयोजन में देश के प्रमुख प्रकाशकों के सहयोग से एक भव्य पुस्तक मेले का भी आयोजन किया गया।

On the opening day of event Akshar a session "An introduction to Syed Haider Raza Saheb's paintings" commemorated the centennial year of Raza Saheb. In this session, Dr. Shatarupa Roy from the Department of Humanities and Social Sciences at IIT Kanpur, Dr. Hriday Gupta, and Dr. Rajarshee Sengupta discussed Raza's life and works. An exhibition of paintings by Syed Haider Raza Saheb was also held on the occasion.

Later, prominent poets such as Dr. Kamal Musaddi, Mr. Viru Sonker, Ms. Hema Dixit, and Mr. Rajesh Arora participated in event – 'Kavya Sandhya'. The performance given by the artists was greatly appreciated by the audience. At the end of the opening day, vote of thanks to all the performers was delivered by Mr. Amit Tiwari, founder of 'Gaatha' – an Audio Hosting platform.

In addition, a book - fair was also organized coordinated by leading publishers of the country.

"Sahityavalokan" by Dr. Rakesh Shukla

"Sahitya Ki Satrangini Shivani"

"Kavya Sandhya"

द्वितीय दिवस
15 अक्टूबर 2022

आयोजन - 'अक्षर' के दूसरे दिन (15 अक्टूबर) की शुरुआत शिवानी सेंटर, आई आई टी कानपुर के समन्वयक, प्रोफेसर कांतेश बलानी द्वारा स्वागत भाषण से की गयी। इसके बाद 'ओपन माइक' कार्यक्रम - 'हर दिल के कोने से' सम्पन्न हुआ, जिसमें आई आई टी परिसर के निवासियों और छात्रों के लिए 'कवि सम्मेलन' आयोजित किया गया। इस अवसर ने आई आई टी कानपुर परिसर के निवासियों सहित अन्य स्थानों जैसे - उन्नाव,आगरा,हैदराबाद और लखनऊ से सभी महत्वाकांक्षी कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक मंच प्रदान किया।

Day Two
15 October 2022

The second day of Event – 'Akshar' began with welcome remarks delivered by Prof. Kantesh Balani, Coordinator of Shivani Centre, IIT Kanpur. This was followed by 'Open Mic' event – 'Har dil ke kone se' in which 'Kavi Sammelan' was organized for the IIT campus residents and students.

The occasion provided a platform to all the aspiring artists among the campus residents and from different places including Unnao, Agra, Hyderabad and Lucknow to showcase their talent.

Open Mic Event – "Har Dil Ke Kone Se"

Address by Prof. Kantesh Balani

इस कार्यक्रम में आई आई टी कानपुर के छात्र- श्री अर्पित राज, बी.टेक. द्वितीय वर्ष, 'सिविल इंजीनियरिंग', श्री शिवाशीष सिंह, एम.टेक. प्रथम वर्ष, 'सस्टेनेबल एनर्जी एंड इंजीनियरिंग', 'कंप्यूटर सेंटर' से श्री भरत सोमैया जैसे कर्मचारी शामिल हुए। आई आई टी के संकाय सदस्यों में - 'मैकेनिकल इंजीनियरिंग' से प्रो. समीर खांडेकर, 'बायोसाइंस एंड बायोइंजीनियरिंग' से प्रो. संतोष मिश्रा और 'पृथ्वी विज्ञान' विभाग से प्रो. दीपक ढींगरा ने इस कार्यक्रम में भागीदारी ली। अन्य स्थानों से आगरा की डॉ. नम्रता गुप्ता, कानपुर के डॉ. महेंद्र प्रताप सिंह, श्रीमती पल्लवी राज, डॉ. नमिता माथुर, डॉ. गीता द्विवेदी और श्री आर. पी. वार्शणे, उन्नाव के श्री उपेंद्र बाजपेई सहित हैदराबाद की श्रीमती आर्या झा ने अपनी काव्य प्रस्तुति पेश की। इस कार्यक्रम को दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया।

इसके अतिरिक्त, 'आज के दौर में साहित्य की प्रासंगिकता' पर एक 'पैनल चर्चा' का आयोजन हुआ, जिसमें श्री आनंद कक्कड़, डॉ. शंभुनाथ तिवारी, श्री राहुल शिवॉय, सुश्री कमल मुसद्दी और श्री नवीन जोशी जैसे कई प्रसिद्ध साहित्यकारों ने भाग लिया। इस आयोजन ने दर्शकों में साहित्य के समकालीन महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के प्रति अपनी विशेष भूमिका निभायी। सभी दर्शकों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में हुई हिंदी साहित्य पर चर्चा को खूब सराहा।

इसके उपरांत, प्रसिद्ध कहानीकार सुश्री महक मिर्ज़ा प्रभु के साथ एक बेहद दिलचस्प संवादात्मक कहानी सुनाने का सत्र – 'शाम-ए-कहानी' का आयोजन हुआ। इस सत्र में उन्होंने दो कहानियाँ सुनाईं- 'महोब्बत की कहानी' और 'विधि कैरी का अचार बनाने की'। अपने इस प्रदर्शन के माध्यम से उन्होंने दर्शकों को कल्पना की दुनिया से जोड़े रखा। कार्यक्रम की शानदार एवं सफल प्रस्तुति को वहां मौजूद सभी दर्शकों ने खूब सराहा।

अंत में, आई आई टी कानपुर की महिला संघ ने 'शिवानी अपने पाठकों की नज़रों में' कार्यक्रम की मेजबानी की, जिसमें सुश्री वंदना बहुगुणा और सुश्री दिव्या त्रिपाठी ने शिवानी जी के कार्यों पर अपने विचार साझा किए। इसके अलावा सैयद हैदर रज़ा साहब की चित्रकला प्रदर्शनी और पुस्तक मेला का आयोजन आई आई टी कैंपस के 'आउटरीच ऑडिटोरियम' में किया गया।

This event featured students from IIT Kanpur- Mr. Arpit Raj, 2nd year B.Tech., Civil Engineering, Mr. Shivasheesh Singh, 1st year M.Tech., Sustainable Energy & Engineering, employees like Mr. Bharat Somaiya from Computer Centre, faculty members – Prof. Sameer Khandekar from Mechanical Engineering, Prof. Santosh Mishra from Bioscience & Bioengineering and Prof. Deepak Dhingra from Earth Science. Artists from other places included Dr. Namrata Gupta from Agra, Dr. Mahendra Pratap Singh, Smt. Pallavi Raj, Dr. Namita Mathur, Dr. Geeta Dwivedi and Mr. R.P. Varshney from Kanpur, Mr. Upendra Bajpai from Unnao and Smt. Aarya Jha from Hyderabad. The show was greatly appreciated by the audience.

Later, a panel discussion on "Aaj ke Daur Mein Saahitya ki Praasngikta" was organized in which several literary figures such as Mr. Anand Kakkad, Dr. Shambhunath Tiwari, Mr. Rahul Shivoy, Ms. Kamal Musaddi and Mr. Navin Joshi had participated. This event was meant to raise the awareness on importance of literature in the audience. Everyone enthusiastically praised the performance.

In addition, there was a highly interesting interactive story-telling session – "Shaam-e-Kahani" with renowned storyteller Ms. Mehek Mirza Prabhu. She narrated two stories- 'Mahobbat ki kahani' and 'Vidhi keri ka aachar banane ki' through which she kept the audience hooked to world of imagination. Overall, the performance was a smashing success.

At the end, the Women's Association of IIT Kanpur came forward to host an event "Shivani Apne Pathakon ki Nazaron Mein" in which, Ms. Vandana Bahuguna and Ms. Divya Tripathi shared their views on the works of Shivani ji.

Besides, an exhibition of paintings by Syed Haider Raza Saheb and Book-fair were organised in the Outreach auditorium at IIT campus.

"Shaam-E-Kahani" by Ms. Mehek Mirza Prabhu

"Shivani Apne Pathakon Ki Nazaron Mein"

Syed Haider Raza Saheb's Painting Exhibition

तृतीय दिवस
16 अक्टूबर 2022

साहित्य महोत्सव का समापन दिवस (16 अक्टूबर) आई आई टी कानपुर के मुख्य सभागार 'मेन ऑडिटोरियम' में आयोजित किया गया। इस अवसर पर माननीय विधानसभा अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन आई आई टी कानपुर के निदेशक प्रो. अभय करंदीकर, शिवानी जी की पुत्री डॉ. मृणाल पांडे एवं भतीजे डॉ. पुष्पेश पंत द्वारा किया गया। इसके उपरांत प्रोफेसर अभय करंदीकर ने साहित्य के समकालीन महत्व को संबोधित करते हुए न केवल साहित्य को एक विषय के रूप में बल्कि महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी विषयों को पढ़ाने के लिए भी इसकी महत्वत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिवानी के जीवन और उनके कार्यों से जुड़े महत्व पर भी अपने विचार साझा किए। इसके उपरांत, कार्यक्रम को मुख्य अतिथि श्री सतीश महाना जी ने संबोधित किया।

Address by Shri Satish Mahana Ji and Prof. Abhay Karandikar

उद्घाटन सत्र के पश्चात, शिवानी जी की बेटी सुश्री मृणाल पांडे - हिंदी पत्रकारिता में एक प्रतिष्ठित व्यक्ति, लेखिका, अग्रणी महिला-मुख्य संपादक, एवं पद्मश्री, और भतीजे -डॉ. पुष्पेश पंत, एक भारतीय अकादमिक, खाद्य समीक्षक, इतिहासकार और पद्मश्री ने दिवंगत श्री गौरा 'शिवानी' पंत के जीवन और अनमोल रचनाओं के बारे में बात की। 'दिद्दी पर बातचीत: शिवानी जी अपने बच्चों के चश्में से' शीर्षक वाले इस सत्र में, उन्होंने 20वीं शताब्दी की भारतीय महिला-केंद्रित कथा लेखन में शिवानी की अग्रणी यात्रा की झलक दी। साथ ही, उन्होंने शांतिनिकेतन में शिवानी की स्कूली छात्रा के दिनों की यादों को हास्य के साथ मिश्रित भावभीनी श्रद्धांजलि के रूप में साझा किया।

अपनी किशोरावस्था में, शिवानी को उनके भाई-बहनों के साथ शांतिनिकेतन भेज दिया गया था। उस समय वहां के संस्थापक रवींद्रनाथ टैगोर जी जीवित थे और परिसर में ही थे। टैगोर की संगति में शिक्षा पाकर शिवानी जी को एक बोधगम्य और सतर्क मन की नींव रखने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ। उनकी शिक्षा नीतियों को अपनाकर शिवानी आगे चलकर 20वीं सदी की एक प्रसिद्ध हिंदी लेखिका बनीं।

Day Three
16 October 2022

The concluding day of the Literature Festival was held at the Main Auditorium, IIT Kanpur. Hon'ble Speaker of the Vidhan Sabha Shri Satish Mahana ji graced the occasion as chief guest. The event was inaugurated by Prof. Abhay Karandikar, Director of IIT Kanpur, Dr. Mrinal Pande, daughter of Shivani ji, Dr. Pushpesh Pant, nephew of Shivani ji. This was followed by Prof. Abhay Karandikar addressing the contemporary importance of literature in providing rich opportunities to not only literature as a subject but also to teach critical technology. He highlighted the life of Shivani and the significance associated with her works. Later the occasion was addressed by the chief guest of the event Shri Satish Mahana ji.

After the opening session, Shivani ji's daughter Ms. Mrinal Pande – an iconic figure in Hindi journalism, an author, pioneering woman-chief editor, a Padma Shri awardee, and nephew, Dr. Pushpesh Pant, an Indian academic, food critic, historian, and a Padma Shri awardee spoke about the life and precious compositions of late Shrimati Gaura 'Shivani' Pant. In this session titled "Diddi par baatcheet: Shivani Ji apne bachhon ki nazron se", they gave glimpse of the pioneering journey of Shivani in writing Indian women-centric fiction of the 20th century. Also, they shared Shivani's memoir of her schoolgirl days in Shantiniketan in a nostalgic tribute blended with humour.

In her early teens, Shivani was sent to Shantiniketan along with her siblings, when founder Rabindranath Tagore was alive and, on the premises. In Tagore's company whose teachings lay the foundation of a perceptive and alert mind, Shivani grew up to become a renowned Hindi writer of the 20th century.

'अपराधनी - एक अधिनियमन' सत्र में चेन्नई की सुश्री मीरा सीतारमन, जो की एक अभिनेत्री, नाटककार और निर्देशक के रूप में 'थिएटर ग्रुप-निशा' में कार्यरत हैं, शिवानी जी की सबसे लोकप्रिय कहानियों में से एक का मंच रूपांतरण किया। दर्शकों ने इस प्रदर्शन की जमकर सराहना की।

अंत में महाकवि सम्मेलन - 'कुछ अल्फाजों की परवाज' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. नरेश सक्सेना, डॉ. प्रवीण शुक्ला, डॉ. कीर्ति काले, डॉ. राजीव राज, डॉ. श्लेष गौतम, डॉ. विश्वनाथ विश्व, डॉ. पंकज चतुर्वेदी, श्रीमती सुशीला पुरी और डॉ. पंकज चतुर्वेदी जैसे देश के प्रतिष्ठित साहित्यकारों की भागीदारी रही जिसको
दर्शकों ने तहे दिल से सराहा।

"Aparadhini -An Enactment" by Theatre group Nisha

इस आयोजन के साथ प्रसिद्ध कलाकार- सैयद हैदर रज़ा साहब के चित्रों की कला प्रदर्शनी और देश के प्रमुख प्रकाशकों द्वारा एक पुस्तक मेला भी लगाया गया था।

आई आई टी कानपुर में यह तीन दिवसीय साहित्यिक महोत्सव 'अक्षर' सभी संबंधित लोगों के प्रयासों के कारण एक उल्लेखनीय सफलता रहा। आयोजक दल में शिवानी सेंटर आई आई टी कानपुर से सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल, श्री सुधांशु और श्री सोनू के साथ-साथ राजभाषा प्रकोष्ठ से श्री जगदीश प्रसाद,सुश्री अल्पना दीक्षित और श्री राम पूजन, ने भी इस आयोजन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास किये।

"Aparadhani – An Enactment" - a stage adaptation of one of Shivani ji's most popular stories by Theatre Group Nisha from Chennai was performed by by Ms. Meera Sitaraman, who is an actress, playwright, and director working in the theatre industry. The show was loudly applauded by the audience.

At the end, Maha Kavi Sammelan – "Kuch Alfazon ki perwaz" was organized. This event was graced by the participation of eminent literary personalities of country such as Dr. Naresh Saxena, Dr. Praveen Shukla, Dr. Keerti Kale, Dr. Rajeev Raj, Dr. Slesh Gautam, Dr. Vishwanath Vishwa, Dr. Pankaj Chaturvedi and Smt. Sushila Puri. The show was greatly appreciated by the audience.

Felicitation of Ms. Meera Sitaraman by Prof. Kantesh Balani

The event was accompanied with an art exhibition of the famous artist -Syed Haider Raza Saheb's paintings and a book fair by leading publishers of country.

The three-day "Akshar" literature festival at IIT Kanpur was a remarkable success due to the efforts of everyone concerned. Additionally, , the organizing team included Ms. Maitreyi Agarwal, Mr. Sudhanshu, and Mr. Sunu from Shivani Centre IIT Kanpur, as well as Mr. Jagdish Prasad and Ms. Alpana Dixit and Mr. Rampriyan from Rajbhasha Prakoshtha, who worked tirelessly to ensure the success of this event.

Maha Kavi Sammelan – "Kuch Alfazon Ki Perwaz"

Hindi Book Fair by Leading Publishers of Country

आयोजन - EVENTS

अखिल भारतीय कहानी लेखन प्रतियोगिता
1-15 नवंबर 2022

1 से 15 नवंबर 2022 तक "अखिल भारतीय कहानी लेखन प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता को हिंदी साहित्य सभा द्वारा शिवानी केंद्र और राजभाषा प्रकोष्ठ के सहयोग से, आई आई टी कानपुर में संचालित किया गया था। उल्लेखित प्रतियोगिता को आयोजित करने का उद्देश्य, संपूर्ण देश में हिंदी लेखन और देश की संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस प्रतियोगिता में देश भर के 70 से भी अधिक संस्थानों के छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और अपनी मूल कहानियाँ प्रस्तुत कीं जो कि अभिनव होने के साथ-साथ रोचक भी थीं। इसके अतिरिक्त, इस प्रतियोगिता का निर्णय "हिंदीनामा" के सदस्यों द्वारा किया गया था, जो हिंदी और उर्दू साहित्य को बढ़ावा देने और युवाओं के बीच साहित्यिक जुड़ाव की वृद्धि के लिए समर्पित एक युवा संगठन है। "हिन्दीनामा" प्रतियोगिता को 'जज' करने के प्रभारी थे। इसके साथ ही, प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार के लिए पुरस्कार राशि इनाम के तौर पर वितरित की गयीं।

Akhil Bhartiya kahani lekhan pratiyogita
1 -15 November 2022

An "All India Story Writing Competition" was held at IIT Kanpur from 1st to 15th November 2022. The competition was organised by Hindi Sahitya Sabha in collaboration with Shivani Centre and Hindi cell at IIT Kanpur. The goal of this competition is to highlight the relevance awareness of Hindi writing and culture across the nation. Students from more than 70 institutions throughout the country actively participated in this competition and submitted their own original stories that were both innovative and interesting. Additionally, the competition was judged by members of "Hindinama", a youth organisation devoted to promoting Hindi and Urdu literature and fostering literary engagement among youth. The prize money for first, second, third and consolation prizes were distributed to the winners of the competition.

आगामी कार्यक्रम

अनंतिनी: 5 जनवरी 2023

शिवानी केंद्र, राजभाषा प्रकोष्ठ, हिंदी साहित्य सभा, और 'गाथा' - एक 'ऑडियो होस्टिंग प्लेटफॉर्म', सम्मिलित रूप से "अनंतिनी" कवि सम्मेलन आयोजित करेंगे, जिसमें श्री नरेश सक्सेना, श्री राजेश रेड्डी, श्री अरुण कमल सहित हिंदी के 10 सर्वश्रेष्ठ समकालीन कवि अपने काव्य प्रदर्शन द्वारा इस काव्य संध्या को सुशोभित करेंगे।

शिवानी केंद्र के लिए प्रतीक चिन्ह रचना प्रतियोगिता: 22 दिसंबर 2022 - 7 जनवरी 2023

शिवानी केंद्र के लिए प्रतीक चिन्ह रचना प्रतियोगिता, 22 दिसंबर 2022 से 7 जनवरी 2023 तक आयोजित की जाएगी। इस प्रतियोगिता के माध्यम से, देश भर में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं की प्रासंगिकता को संचार के माध्यम के रूप में और हमें एक दूसरे से जोड़े रखने के रूप में दर्शाया जाएगा।

हिंदी दिवस: 11 जनवरी 2023

विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर शिवानी केन्द्र के सहयोग से राजभाषा प्रकोष्ठ ने, विषय- "हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं में विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा-समस्याएं एवं समाधान" पर 'पैनल चर्चा' का आयोजन करेगा। चर्चा के लिए 'पैनलिस्ट' में संस्थान के प्रतिष्ठित प्रोफेसर और दो स्कूलों के प्राधानाचार्य शामिल होंगे जो इस विषय पर अपने विचार साझा करेंगे।

Upcoming Events

Anantini: 5 January 2023

Shivani Centre, Rajbhasha Prakoshth, Hindi Sahitya Sabha and 'Gaatha' – An Audio Hosting platform, will jointly organize Anantini - A Kavi Sammelan, which will be adorned by 10 best contemporary poets in Hindi including Mr. Naresh Saxena, Mr. Rajesh Reddy, Mr. Arun Kamal, Mr. Yash Malvia, and others.

Logo Competition for Shivani Centre: 22 December 2022 - 7 January 2023

A competition for the design of logo for Shivani Centre will be launched from 22nd December 2022 until 7th January, 2023. The goal of this competition is to hilight the relevance of the various languages that are spoken across the country as a way of communication and as a means of assisting us in connecting with one another.

Hindi Diwas: 11 January 2023

On the occasion of the Vishwa Hindi Divas, Raj Bhasha Prakoshth in collaboration with Shivani Centre will organise a panel discussion on the topic 'Science & Technical Education in Hindi and Other Indian Languages - Problems and Solutions'. The panellists for the discussion will include eminent professors from the institute and also the principals of two schools who will present their perspectives on the topic.

स्टाफ़ सदस्य - Staff Members

सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल
(परियोजना प्रबंधक)

Ms. Maitreyi Agarwal
(Project Manager)

श्री जगदीश प्रसाद
(तकनीकी अधीक्षक)

Mr. Jagdish Prasad
(Technical Superintendent)

श्री. विजय कुमार पांडेय
(राजभाषा अधिकारी)

Mr. Vijay Kumar Pandey
(Hindi Officer)

सुश्री अल्पना दीक्षित
(उप परियोजना प्रबंधक)

Ms. Alpana Dixit
(Deputy Project Manager)

श्री सुधांशु गौतम
(परियोजना सहयोगी)

Mr. Sudhanshu Gautam
(Project Associate)

श्री सोनू कुमार
(परियोजना सहायक)

Mr. Sonu Kumar
(Project Assistant)

श्री राम पूजन
(सहायक)

Mr. Ram Pujan
(Helper)

संपर्क

पता: पी ई बी स्कूल, शीर्ष मंजिल
ब्लॉक-एफ (भूतपूर्व पी ई बी मीडिया लैब, ब्लॉक-बी)
आई आई टी कानपुर, उत्तर प्रदेश, भारत - 208016

दूरभाष: 91-512-159-7074 (कार्यालय)

Contact

Address: Top-floor of PEB School
Block-F (earlier PEB Media Lab, Block-B)
IIT Kanpur, Uttar Pradesh, India - 208016

Tel. number: 91-512-159-7074 (office)

सम्पादन सहयोग: प्रो. कांतेश बालानी, प्रो. अर्क वर्मा, प्रो. अचला रैना, सुश्री मैत्रेयी अग्रवाल **अभिकल्प:** श्री गोविन्द

Edited by: Prof. Kantesh Balani, Prof. Ark Verma, Prof. Achla Raina, Ms. Maitreyi Agarwal **Designed by:** Mr. Govind

Jagriti means awakening and awareness.
जागृति का अर्थ जागरूकता और सतर्कता है।